8 अनोखी कलाकृति

(भावात्मक कहानी)

Vocabulary **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE**

शब्द-ज्ञान

कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) आज ही सुबह डॉक्टर ने बताया है कि तुम्हारी हालत .... रही है। (सुधार)

(ख) जब सूमेन जानसी के पास आई तो उसकी .... खुली थीं। (आँख)

(ग) उसकी .... के कारण दवाइयों ने भी अपना असर करना छोड़ दिया है। (निराश)

(घ) दो दिन पहले उस अंगूर की बेल पर काफ़ी .... थे। (पत्ता)

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
व्याकरण

1. दिए गए वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके उचित भेद पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) सूमेन ने खिड़की से बाहर देखा।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✿ स्थानवाचक क्रियाविशेषण ✿

(ख) वह धीरे-धीरे गुनगुनाने लगी।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✿ कालवाचक क्रियाविशेषण ✿

(ग) वह आराम से सो गई

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण ✿ रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✿

(घ) जानसी ने थोड़ा सूप पिया।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✿ परिमाणवाचक क्रियाविशेषण ✿

2. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह कीजिए–

दिन-रात – ....

बेबस-भीरू – ....

स्त्री-पुरुष – ....

मनुष्य-बुद्धि – ....

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

जो नीति का ज्ञाता हो। ....

जिस पर विश्वास किया जा सके। ....

जो पका हुआ न हो। ....

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) जानसी़ किसकी चपेट में आ गई?

....

(ख) जानसी और सूमेन कहाँ की रहने वाली थीं?

....

2. लघु उत्तर लिखिए–

(क) बहरमन कौन था और वह अपने जीवन में क्या करना चाहता था?

....

....

....

(ख) सूमेन के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

....

....

....

3. दीर्घ उत्तर लिखिए–

क्या सूमेन जानसी की सच्ची मित्र थी? अगर हाँ, तो सिद्ध कीजिए।

....

....

....

....

....

....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

लेखन-कार्य

'अंधविश्वास' पर एक निबंध लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

Comprehension Passage
लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

बातचीत में जितनी ही अधिक सावधानी, सजगता तथा संयम बरता जाता है उतनी ही यह कलासार्थक तथा अचूक सिद्ध होती है। आवेश तथा बहुत अधिक अभिमान और चतुराई बातचीत की कला को विकलांग बना देती है। आवश्यकता से अधिक बोलने से न केवल बातचीत की कला को आघात पहुँचता है, बल्कि बोलने वाले का महिमा-हरण होता है। जो व्यक्ति बात नहीं कर सकता उस व्यक्ति की विद्या कायर के हाथ के अस्त्र के समान है। बातचीत की कला में निपुणता प्राप्त करने के लिए सद्ग्रंथों का अध्ययन व विद्वानों का सत्संग तथा सभाओं आदि में उपस्थित होना अत्यंत लाभप्रद सिद्ध होता है।

1. 'अ' उपसर्ग जोड़कर विलोम शब्द लिखिए–

सावधानी - .... संयम - ....

चूक - .... समान - ....

2. समान अर्थ लिखिए–

कायर - .... आघात - .... विकलांग - ....

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बातचीत की कला को कैसे सार्थक बनाया जा सकता है?

....

(ख) कौन बातचीत की कला को विकलांग बना देती है?

....

(ग) बातचीत की कला में निपुणता कैसे प्राप्त की जा सकती है?

....